हिन्दी विभाग
DEPARTMENT OF HINDI
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

दूरभाष क्र./Tel. No. : 07582-265813 (Office)
ई-मेल/E-Mail :

क्रमांक /हिन्दी सेमो:/ दिनांक 13.09.2017

Collaborative Activities : आंतरिक प्रतिवेदन

आज दिनांक 13.09.2017 को डॉ. हरीसिंह गौर वि वविद्यालय, सागर के नंददुलारे वाजपेयी सभागार में अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन एव हिन्दी विभाग के द्वारा Collaborative Activities के तहत हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर 'हिन्दी की लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएँ और सीमाएँ' विशय पर एकल व्याख्यान एवं संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलूरू के समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. मनोज कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हिन्दी की पूरानी और निजी परम्परा, जो आचार्य भुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी आदि की रही है, उसमें आज भी सबसे ज्यादा संभावनाएँ विद्यमान हैं। इस संभावना को अपने अर्थ में अर्जित करने के लिए आवश्यक है कि प्राथमिक स्तर पर हिन्दी पढ रहे बच्चों के भीतर पढ़ने का चस्का पैदा किया जाय। आज बच्चों के भीतर पढ़ने के कौशल के साथ–साथ सबसे अधिक जरूरी है कि उनमें पढ़ने की आदत, संस्कृति और आनन्द विकसित किया जाय। जिसके लिए जरूरी है कि हम बच्चों को न सिर्फ भाशा सीखाएँ बल्कि उन्हें अर्थ निर्माण की प्रक्रिया से भी जोड़े। साथ ही हमें हिन्दी साहित्य में बाल साहित्य की उपस्थिति को और अधिक सहज और सुलभ बनाना होगा, जिसके माध्यम से बच्चा साहित्य के साथ–साथ भाशा सीखने की प्रक्रिया में सहज हो सकेगा और यह सहजता ही लोकतांत्रिक संवाद की बुनियाद बनेगी।

प्रो. मनोज कुमार का स्वागत करते हुए हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाशा में ही सहज रहता है और प्रभावी अभिव्यक्ति कर सकता है। सहजता और प्रभावी अभिव्यक्ति ही लोकतांत्रिक संवाद में हमारी सहायता करते हैं।

इस अवसर पर आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार में सर्वशिक्षा अभियान से जुड़े सागर ब्लाक स्तरीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के लगभग 50 शिक्षकों/समन्वयकों के साथ ही अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के अधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ विश्वविद्यालय के कई अध्ययन शालाओं के शिक्षकगण, विद्यार्थी, शोधार्थियों की उपस्थिति रही तथा सभी ने प्रो. मनोज कुमार के साथ सीधा संवाद किया। कार्यक्रम का संचालन सौरभ कुमार ने किया।

प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर, मध्य प्रदेश।

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष /Professor and Head
हिन्दी विभाग /Department of Hindi
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
Doctor Hari Singh Gour Vishwavidyalaya Sagar (M.P.)